

तू दयाल दीन हौं तू दानी हौं भिखारी

तू दयाल, दीन हौं,
तू दानी, हौं भिखारी ।
हौं प्रसिद्ध पातकी,
तू पाप पुंज हारी ॥

नाथ तू अनाथ को,
अनाथ कौन मोसो ।
मो सामान आरत नाही,
आरती हर तोसो ॥

ब्रह्मा तू, जीव हौं,
तू ठाकुर, हौं चैरो ।
तात मात गुरु सखा,
तू सब विधि ही मेरो ॥

तोही मोहि नाते अनेक,
मानिए जो भावे ।
ज्यो त्यो तुलसी कृपालु,
चरण शरण पावे ॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/260/title/tu-dayal-deen-haun--tu-daani-haun-bhikhaari>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |